Seventeenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding digital connectivity in forest areas.

श्रीमती नवनित रवि राणा (अमरावती): अध्यक्ष महोदय, आपने सभी यंगस्टर्स को और न्यू- कमर्स को एप्रीशिएट किया और आप उनको बोलने का मौका देंगे । जिस तरीके से आपने कहा, मैं आपके समक्ष एक चीज लाना चाहूंगी । जितने भी फॉरेस्ट एरिया में गांव हैं, जहां आदिवासी लोग रहते हैं, वहां पर बीएसएनल और फॉरेस्ट की जो कनेक्टिविटी है, हम बोलते हैं कि डिजिटल इंडिया बनना चाहिए, पर मेलघाट जैसी जगहों पर, फॉरेस्ट जैसी जगहों पर, जहां पर बहुत सारी बस्ती बसी हुई हैं और गांव बसे हुए हैं ।

जहां लाखों लोग रह रहे हैं, हम कनेक्टिविटी की बात करते हैं । मेरे क्षेत्र में सबसे बड़ा ट्राइबल एरिया है, जो पूरे विदर्भ में सबसे बड़ा माना जाता है । आज अगर वहां कोई लेडी प्रैगनेंट है या किसी को हार्ट की प्रोबल्म है, वहां कनेक्टिविटी नहीं रहने के कारण अगर किसी फीमेल को डिलीवरी कराने जाना है तो वह वहां गांव में कराएगी या रोड पर करेगी, उन्हें वहां फोन या कनेक्टिविटी की सुविधा नहीं है ।

मेरी आपसे विनती है कि फॉरेस्ट को आपके द्वारा आदेश दिया जाए कि वहां पर बीएसएनएल की जो भी कनेक्टिविटी है, उन्हें आप अंडरग्राउंड करने दें । वहां सबसे बड़ा प्रोबल्म कनेक्टिविटी करने के लिए लिए है, अगर हमें फॉरेस्ट वाले परमिशन नहीं देंगे तो मैं इस गांव से उस गांव तक बीएसएनएल को अंडर ग्राउंड करके उनको कनेक्टिविटी किस हालत में दूंगी? यहां मेलघाट है, धारनी, चूरनी है, तेम्बूरसोंडा है, ऐसे ही गोविन्दपुर है, जो अमरावती से बीस किलोमीटर दूर है, वहां से राष्ट्रपति ताई ने रिप्रेजेंट किया था, वहां से वह खुद सांसद रही हैं । उस जगह में और अमरावती जैसे शहर के बीस किलोमीटर में जहां महानुभाव पंथों का सबसे बड़ा तीर्थ स्थान है । अमरावती शहर से वहां तक बीस किलोमीटर पोस्ट कनेक्टिविटी मिस करते हैं । मुझे लगता है उस पर आपको जरूर कार्रवाई

करनी चाहिए । हमारे आदिवासी भाइयों और गोविन्दपुर मेल घाट के पूरे क्षेत्र को बीएसएनएल की सुविधाएं मिले …(व्यवधान)